

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 96 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : ३ रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



परिश्रम के द्वारा मजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दिवाली बोनस

■ 3 पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी नाम हटा, दिव्यांगों को अब जन्म से पेंशन



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले रेलवे के करीब 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इस पर करीब 2,009 करोड़ खर्च होंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा, सरकार ने तीन पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी का नाम हटकर उनमें प्रधानमंत्री शब्द जोड़ने का फैसला किया है। दिव्यांगों की पेंशन

नियमों में भी बदलाव को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब दिव्यांगों को 18 साल की बजाय जन्म से पेंशन मिलेगी। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला भी लिया है। रेलवे कर्मचारियों को मिलने वाले प्रोडक्टिविटी लिंकड बोनस की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन सीमा 7,000 तय की गई है।

लद्दाख को मिलेगी 3,350 करोड़ की सौगात

■ प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को करेंगे 5 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लद्दाख में लगभग 3,350 करोड़ रुपये की पांच प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वह कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में कनेक्टिविटी मजबूत होने, ऊर्जा ढांचे में सुधार, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जल सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री लेह स्थित कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डे के नए यात्री टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके निर्माण पर 640 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। 23,800 वर्ग मीटर फैला यह आधुनिक टर्मिनल सालाना 35



लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए टर्मिनल में भू-तापीय ऊर्जा का उपयोग किया गया है। लद्दाख के संवेदनशील पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई इस सुविधा में आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को झलक भी देखने को मिलेगा। इससे यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी और देश के अन्य हिस्सों के साथ

लद्दाख की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित 298 किलोमीटर लंबी निम्न-पटुम-दरचा सड़क राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह सड़क लेह के निम्न हिमाचल प्रदेश के दरचा से दुर्गम जांस्कर घाटी के रास्ते जोड़ती है। इससे लद्दाख के लिए एक वैकल्पिक संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा, जो श्रीनगर-लेह और मनाली-लेह राजमार्गों को अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगा। हिमालय के चुनौतीपूर्ण भूभाग और ऊँचाई पर स्थित शिंकुन ला दर्रे से गुजरने वाली यह सड़क इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। रणनीतिक दृष्टि से यह सड़क सशस्त्र बलों की आवाजाही और रसद संबंधी जरूरतों को मजबूत करेगी। इसके अलावा, जांस्कर के निवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, बाजारों और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचने में भी मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगा अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच, मुख्यमंत्री साय ने जताई प्रसन्नता



■ भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मिला आमंत्रण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रदेश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच का आयोजन होने जा रहा है। भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच आयोजित होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण अवसर बताया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज महानदी मंत्रालय भवन में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की और उन्हें भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए सह प्रभारी श्रीमती साय ने कहा कि गांधीनगर महानगर पालिका की कुल 44 सीटों में से भाजपा ने ऐतिहासिक 38 सीटों पर विजय प्राप्त की है, जबकि कांग्रेस केवल 05 सीटों पर सिमट गई। थरा नगरपालिका की कुल 24 सीटों में से भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 सीटों पर कब्जा किया, वहीं कांग्रेस को केवल 05 सीटें मिलीं।

उपलब्धि है। देश और दुनिया की श्रेष्ठ महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ की धरती पर खेलते देखना विशेष रूप से हमारी बेटीयों और युवा महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी अनुभव होगा। ऐसे आयोजनों से उनमें यह विश्वास और मजबूत होगा कि उचित अवसर, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने पर वे भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 मुकाबले को लेकर प्रदेश की महिलाओं, युवाओं और खेलप्रेमियों में विशेष उत्साह रहेगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन में महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला दर्शकों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रखने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री के इस सुझाव पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने सहमति व्यक्त की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और हमारी बेटियां राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे में महिला खिलाड़ियों के मुकाबलों को देखने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को स्टेडियम तक लाना स्वयं में प्रेरणा का माध्यम बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं कनाडाई विदेश मंत्री अनीता आनंद

■ व्यापार-तकनीक समेत कई मुद्दों पर चर्चा



नई दिल्ली। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और शिक्षा समेत प्रमुख क्षेत्रों में भारत-कनाडा संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने निरंतर संवाद बनाए रखने और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए चल रही वार्ताओं को जल्द पूरा करने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी और अनीता आनंद ने आपसी हित से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संवाद में गति बनाए रखने और साझा हित वाले क्षेत्रों

में सहयोग को ठोस परिणामों में बदलने के महत्व को रेखांकित किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दोनों देशों के बीच संवाद और संपर्क को आगे भी जारी रखने की इच्छा जताई। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अनीता आनंद के साथ भारत-कनाडा संबंधों को व्यापार, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच संपर्क समेत विभिन्न क्षेत्रों में और मजबूत करने पर सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत कनाडा के साथ ऐसी रचनात्मक और भविष्य की ओर देखने वाली रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे दोनों देशों के लोगों को ठोस लाभ मिले। इस बीच, बुधवार को ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी 2026 के सत्र में बोलेते हुए अनीता आनंद ने अंतरराष्ट्रीय कानून को लागू कराने से जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं के लिए समर्थन मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत

■ जनता के अटूट विश्वास और विकास की विजय : गोमती साय



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की पथलगांव विधायक, सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष और गुजरात भाजपा प्रदेश सह प्रभारी गोमती साय ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक व प्रचण्ड जीत पर जनता का आधार व्यक्त करते हुए इसे 'विकास, सुशासन और जनविश्वास की जीत' बताया है। श्रीमती साय ने कहा कि गुजरात के मतदाताओं ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका अटूट विश्वास केवल और केवल भाजपा पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं शीर्ष नेतृत्व, गुजरात के मुख्यमंत्री तथा प्रदेश नेतृत्व के अथक प्रयासों का ही

परिणाम है कि जनता ने भाजपा के पक्ष में एकरतफ जनादेश दिया है। भाजपा विधायक व गुजरात की प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती साय ने कहा कि गांधीनगर महानगर पालिका की कुल 44 सीटों में से भाजपा ने ऐतिहासिक 38 सीटों पर विजय प्राप्त की है, जबकि कांग्रेस केवल 05 सीटों पर सिमट गई। थरा नगरपालिका की कुल 24 सीटों में से भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 सीटों पर कब्जा किया, वहीं कांग्रेस को केवल 05 सीटें मिलीं।

काँकरोच पार्टी कल दिल्ली में करेगी प्रदर्शन



■ दीपके बोले- जेल में डाल दो, परवाह नहीं, सौरव-आशुतोष 5 दिन के लिए तिहाड़ भेजे जाए

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी के फ़ंडर अभिजीत दीपके ने 16 अक्टूबर को प्रदर्शन का ऐलान किया। दीपके ने बुधवार को वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि, सभी लोग 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे तिरंगा लेकर कर्नाट प्लेस पहुंचें। ये लोग मुझे भी जेल में डाल सकते हैं लेकिन मुझे परवाह नहीं। दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय भीड़ उन पर चिल्लाते लगी। एक पैसेंजर ने कहा- क्यों देश को खराब कर रहा भाई इस पर दीपके ने बस थप्स अप का इशारा किया और चुपचाप चले गए। उधर सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5

दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है। इन्हें मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर और एसआईआर के विरोध में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। पुलिस ने सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही हिरासत में लिया था। तीनों को 11 अक्टूबर को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था। रिहाई की शर्त के मुताबिक, तीनों को एक साल तक शांति बनाए रखनी थी, ऐसा कोई काम नहीं करना था, जिससे शांति भंग हो। इसके लिए बॉन्ड साइन करने की बात सामने आई थी।

डॉ. रमन सिंह के जन्मदिन पर संस्कारधानी में सजेगी सुरों की महफिल

■ दिग्विजय स्टेडियम में बॉलीवुड के मशहूर पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे



राजनांदागांव (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के जन्मदिन के अवसर पर संस्कारधानी राजनांदागांव सुस्मयी शाम का गवाह बनने जा रही है। आज 15 अक्टूबर को शहर के दिग्विजय स्टेडियम में बॉलीवुड के मशहूर पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। युवा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा 'रंग नांदागांव' संगीत संध्या का यह भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। फाउंडेशन के पदाधिकारियों के अनुसार, रात आठ बजे से शुरू होने वाले इस विशाल संगीत महोत्सव में

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य मंत्रिमंडल के कई वरिष्ठ मंत्रियों के शामिल होने की पूरी संभावना है। आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए दिग्विजय स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का मंच तैयार किया जा रहा है। साथ ही शहरभर में दर्शकों के सुगम आवागमन और

सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। युवा वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष भावेश बैद ने बताया कि इस संगीत संध्या में 60 से 70 हजार संगीतप्रेमियों के उमड़ने की उम्मीद है। बड़ी तादाद में जुटने वाली भीड़ को देखते हुए बैठक व्यवस्था, सार्जड सिस्टम और सुरक्षा पर विशेष ध्यान

दिया जा रहा है। गौरतलब है कि 'रंग नांदागांव' ने बीते वर्षों में मध्य भारत के प्रमुख सांस्कृतिक मंचों में अपनी अलग पहचान बनाई है। इससे पहले इस मंच पर प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास, अभिनेता शैलेश लोढ़ा और मशहूर गायक कैलाश खेर अपनी यादगार प्रस्तुतियां दे चुके हैं। भावेश बैद ने संगीतप्रेमियों से आग्रह किया है कि भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए दर्शक शाम छह बजे तक दिग्विजय स्टेडियम पहुंचकर अपना स्थान सुनिश्चित कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है। दर्शकों को आगाह किया गया है कि वे किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति से पैसे देकर पास न खरीदें और प्रवेश संबंधी आधिकारिक जानकारी के लिए केवल फाउंडेशन के माध्यमों पर ही भरोसा करें।

छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन शुरू

■ दिव्यांग अभ्यर्थी 30 अक्टूबर तक कर सकते हैं अंदाई, दिसंबर में होगी परीक्षा



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश में सहायक शिक्षक और शिक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल होने के पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों को आवेदन का एक और अवसर मिलेगा। कर्मचारी चयन मंडल ने हाईकोर्ट के नौ अक्टूबर के आदेश के पालन में दोनों परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। अभ्यर्थी 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 31 अक्टूबर से दो नवंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। मंडल ने लोक शिक्षण संचालनालय से मिले संशोधित प्रस्ताव के आधार पर भर्ती के विस्तृत विज्ञापनों में दिव्यांगता

की पात्र श्रेणियां शामिल की हैं। सहायक शिक्षक भर्ती में दृष्टिबाधित, बधिर और श्रेष्ठाल पालसी से संबंधित पात्र अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। वहीं शिक्षक भर्ती में हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान और कृषि विषयों के लिए निर्धारित दिव्यांगता श्रेणियों के अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा। दोनों परीक्षाएं दिसंबर में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगी। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कर्मचारी चयन मंडल आयोग के वेबसाइट www.cgssb.cgstate.gov.in देखें।

पति को मारकर नीले-ड्रम में भरने वाली मुस्कान को सजा-ए-मौत



मेरठ। मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या करने धर्म मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई गई। उसके प्रेमी साहिल को भी कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई। अधर्म के काम पर सजा देना धर्म होता है। मुस्कान-साहिल आप दोनों ने ही सौरभ की नृशंस हत्या की है। इसलिए माफ़ी स्वीकार नहीं होगी। सजा सुनाने से पहले जेल में बंद मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया।

अपने पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें, कचरे को निर्धारित स्थान पर डालें, पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दें तथा सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक नियमों का पालन सुनिश्चित करें। इस पहल का उद्देश्य पूजा समितियों को स्वच्छता एवं सुरक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

क्रमांक 60/नपानि / जोन-4/ लो.क.वि. / 2026
रायपुर दिनांक 13.10.2026

निविदा सूचना

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिपभण्ड पद्धति (प्रथम में अमानती राशि अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सील बंद निविदाएं स्वीकृत पोस्ट से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -

2 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि -

04.11.2026 को कार्य 4.00 बजे तक

05.11.2026 को सुबह 11.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	आकलन राशि (लक्ष में)	अमानती राशि	निविदा शुल्क	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ.आर / नॉन एस. ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सिबिल लाईन बाई क्र. 46 अंतर्गत सिचाई कालोनी आसपास के भवन का मरम्मत / संधारण एवं भवन सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य।	3.00	3000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	3 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यू डी भवन रोड एस ओ आर दिनांक 20/04/2026
2	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत एल.ई.डी. स्लैट लाईटों का मरम्मत संधारण कार्य।	4.00	4000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	राशि समाप्त तक	प्रपत्र "ब"	नान एस ओ आर/ आयटम दर

नोट :-

- निविदा से संबंधित दस्तावेज / छ.ग. पीडब्ल्यूडी का जीवित पंजीवन प्रमाण पत्र/जीएसटी पंजीवन प्रमाण पत्र/पैन कार्ड/विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन पंजीकृत ठेकेदार / फर्म के लिये यह लागू नहीं होगा) विगत जीवित पंजीवन प्रमाण पत्र / जीएसटी पंजीवन प्रमाण पत्र/पैन कार्ड जारी होने के बाद का नोटराईज्ड)/ राशि 2.00 लाख से अधिक के कार्य के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक सल्वेंसी स्वीकार किया जायेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफडी.आर के रूप में) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।) (लिपभण्ड निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावे) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लिखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।
- निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्तों जोन क्रमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।
- उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट nagar.nigam.raipur.nic.in में देखी जा सकती है।
- निविदा अंतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत राशि के 0.80 प्रतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।

जोण कमिश्नर
जोन क्रमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

 कायालय नगर पालिक निगम शुभपुर (जोन क्र.-8) मोहवा वाजार, रायपुर E-mail ID - rmczone8@gmail.com	 कायालय नगर पालिक निगम रायपुर (जोन क्र.-7) मंगल कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर E-mail ID - rmczone7@gmail.com	 कायालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.म.) Email :birgaonmcp@gmail.com,	 कायालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.म.) Email :birgaonmcp@gmail.com,	 कायालय नगर पालिक निगम रायपुर (जोन क्र.-6) आई.एस.वी.टी. चतुर्थ तल, रायभामठा, रायपुर Email ID - rmczone6@gmail.com	 कायालय नगर पालिक निगम रायपुर (जोन क्र.-3) शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर E-mail ID - rmczone3@gmail.com	 कायालय नगर पालिक निगम रायपुर (जोन क्र.-3) शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./36339/न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026 रायपुर, दिनांक 14-10-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36339 वाई का नाम-21- शहीद भगत सिंह वाई	पत्र क्र./36284/न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026 रायपुर, दिनांक 13-10-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36284 वाई का नाम-25-सूर्य रामदास वाई	नामांतरण प्र.क्र. 509 दिनांक 13.10.2026 वाई का नाम- पं. जवाहर लाल नेहरू वाई वाई क्र. 33 बं- 2025- 2025-26 :- निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-	नामांतरण प्र.क्र. 508 दिनांक 13.10.2026 वाई का नाम- मो. अब्दुल रऊफ वाई वाई क्र. 19 बं- 2025- 2025-26 :- निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-	नामांतरण प्र.क्र. 507 दिनांक 13.10.2026 वाई का नाम- ठाकुर देव वाई वाई क्र. 19 बं- 2025- 2025-26 :- निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-	नामांतरण प्र.क्र. 36307/न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026 रायपुर, दिनांक 14-10-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36307 वाई का नाम-12 - कालीमाता वाई	नामांतरण प्र.क्र. 36268 वाई का नाम-12 - कालीमाता वाई इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36268 वाई का नाम-12 - कालीमाता वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR813G00695 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUPRIO GUPTA पिता/पति, श्री/श्रीमती SHUBHANT GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ABHISHEK KUMAR CHOUGHAN पिता/पति, श्री/श्रीमती AMAR CHOUGHAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। —सूचना जारी करें— श्रीमती राजेश्वरी पटेल (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक- (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 25 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818F0783A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती TUSHAR KASHYAP पिता/पति, श्री/श्रीमती RAJYU KASHYAP के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती VSMT ROSHANATHUR 2.1.5NAT KUMAR PATHUR पिता/पति, श्री/श्रीमती 1.SHRI VIJAY KUMAR PATHUR 2. SHRI VIJAY KUMAR PATHUR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। —सूचना जारी करें— डॉ. तुलित पाणिग्रही (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक-7 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वाई क्रमांक 33 मांग पंजी क्र. 82 युआईडी 29842 अनुसार अधिभोग का नाम श्री/श्रीमती मोहन थापा/ धन बहादुर थापा से दर्ज है, श्री/श्रीमती उर्वशी थापा / स्व. मोहन थापा वंशानुक्रम/ विक्रीनामा आधार पत्र द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक 28-10-2026 तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोग के द्वारा देय राशि भुगतान उपरंत अधिभोग के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी। राजस्व अधिकारी नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला-रायपुर (छ.ग.)	एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वाई क्रमांक 28 मांग पंजी क्र. 553 युआईडी 26339 अनुसार अधिभोग का नाम श्री/श्रीमती जगजीत कौर टूट्टाजा/ डॉ. एम राजेन्द्र टूट्टाजा से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीधर डागा / गौरी शंकर डागा अधिभोग के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत दावा/ वंशानुक्रम/ विक्रीनामा आधार पत्र अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक 28-10-2026 तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोग के द्वारा देय राशि भुगतान उपरंत अधिभोग के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी। राजस्व अधिकारी नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला-रायपुर (छ.ग.)	एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी. RPR663P0483C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ASHA BHARGAV पिता/पति, श्री/श्रीमती RAJESH BHARGAV के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAJESH KUMAR SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती S/O GHANARAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें श्री हितेन्द्र यादव (जोन कमिश्नर) जोन क्रं. - 6 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी. RPR225E00398 जो की निगम अभिलेख श्री/श	

दैनिक विश्व परिवार

संपादकीय

इरडा की सर्व-प्रमुख भूमिका

बीमा पॉलिसियों की बिक्री के दौरान कमीशन पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सही दिशा में पहल है। शेयर बाजार की अतांकक प्रतिक्रिया से बिना प्रभावित हुए इरडा को इस सुझाव पर कायम रहना चाहिए। बस्ते 24 तिंतबर को शेयर सूचकांकों में भारी गिरावट आई, तो उस ऋम में भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के नए परामर्श पत्र पर ध्यान गया। इस पत्र में इरडा ने बीमा पॉलिसी देने, उसके ढांचे, खर्च, ऑं, कमीशन में सुधार के सुझाव दिए हैं। इस पर सीधे हितधारकों से 25 अक्वर तक अपनी राय भेजने को कहा गया है। इसके तहत जीवन बीमा पॉलिसी में पहले साल का कमीशन वितरकों के लिए प्रीमियम का अधिकतम 20 प्रतिशत और एजेंटों के लिए 25 प्रतिशत पर सीमित करने का प्रस्ताव है। यह मौजूदा कमीशन के अथ से भी कम है। गौरतलब है, 2023 में कंीशान संबंधी सीमाएं हटा दी गई थीं। उससे इस कारोबार में असंतुलन पैदा हुआ। गलत ढंग से पॉलिसियों की बिक्री (मिस-सेलिंग) की शिकायतें बढ़ीं। एक आकलन के मुताबिक 2022-23 से 2024-25 के बीच सामान्य बीमा में ब्रोकरों का प्रीमियम 37 फीसदी बढ़ा, पर कमीशन 173 फीसदी। जीवन बीमा में कॉरपोरेट एजेंटों का प्रीमियम 28 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कमीशन 125 प्रतिशत। इसलिए कहा जाएगा कि इस पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सही पहल है। शेयर बाजार की अतांकक प्रतिक्रिया से बिना प्रभावित हुए इरडा को इस पर कायम रहना चाहिए। आम समझ है कि किसी व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी बीमा पॉलिसी वह होगी, जो सस्ती और जरूरत के अनुरूप हो। लेकिन हो यह रहा है कि जिस पॉलिसी में एजेंट या बैंक को सबसे ज्यादा कमीशन मिलता हो, वे उसी को बेचने में जोर लगाने हैं। इस ऋम में खरीदारों को भ्रामक फायदे बताए जाते हैं। उपभोक्ताओं की नजर से देखें, तो कमीशन पर सीमा लगाने से एक लाभ तो यह होगा कि विक्रेता की दिलसलतों ऊंचे कमीशन वाले उत्पाद से हटकर से सही उत्पाद की ओर लौट सकते हैं। पॉलिसी की ऑंतालकन बिक्री में भ्रामक तरीके घट सकती हैं। साथ ही बीमा उपभोक्ताओं में जागरूकता लाने की बड़ी जरूरत भी बनी हुई है, ताकि पॉलिसी लेते समय वे कवर, क्लेम-निपटान अनुपात, शुल्क, और किने मामलों में कंपनी लाभ देने से इनकार कर सकती है, आदि की पूरी जानकारी हासिल कर सकें। इसमें इरडा की सर्व-प्रमुख भूमिका है।

आलेख

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा, कल्याण और गरिमा हेतु ठोस सुधार

डॉ. वीरेंद्र कुमार

एक साफ-सुथरे एवं स्वस्थ देश की जिम्मेदारी हजारों सफाई कर्मचारियों के कंधों पर है। ये सफाई कर्मचारी अक्सर कठिन एवं खतरनाक भरी परिस्थितियों में काम करते हुए हमें हर दिन आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और हमारे शहरों में समुदायों के कामकाज में उनका योगदान अमूल्य है। इसलिए उनकी सुरक्षा, कल्याण और गरिमा सुनिश्चित करना महज एक सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि एक समावेशी और मानवीय समाज के निर्माण का एक जरूरी हिस्सा भी है। इस जिम्मेदारी को समझे हुए, केन्द्र सरकार ने 'नेशनल एक्शन प्लान मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते)' और 'राष्ट्रीय नेशनल सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (एनएसकेएफडीसी) के वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के जरिए सफाई कर्मचारियों के जीवन एवं उनकी आजीविका की सुरक्षा के लिए कई व्यापक उपाय किए हैं। ये उपाय जोखिम भरे शारीरिक तरीकों से हटकर, स्वच्छता के एक ऐसे सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण इकोसिस्टम की दिशा में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो मशीनीकरण, पेशेगत सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और टिकाऊ आजीविका पर आधारित हैं। 'नमस्ते' का मुख्य लक्ष्य विलकुल स्पष्ट है: सीवर और सैप्टिक टैंक की जोखिम भरी सफाई को खत्म करना और सफाई कार्यों के दौरान होने वाली मौतों को शून्य तक ले आना। इस योजना का उद्देश्य स्वच्छता से जुड़ी श्रमशक्ति को औपचारिक व्यवस्था से जोड़ना और सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरण, पेशेगत प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवाएं एवं आजीविका के अवसर सुनिश्चित करना है। यह मशीनों एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को भी बढ़ावा देती है ताकि किसी भी कर्मचारी को अनावश्यक रूप से जोखिम भरी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। इस योजना के तहत 91,000 से अधिक सीवर एवं सैप्टिक टैंक से जुड़े श्रमिकों की जानकारी जुटाई गई है। इन्हें से 90,000 से अधिक श्रमिकों की जानकारी का सत्यापन किया जा चुका है। जहाँ 87,000 से अधिक श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की प्रदान की गई है, वहीं लगभग 77,000 श्रमिकों को स्वास्थ्य-बीमा योजना के दायरे में लाया गया है। जानकारी जुटाने एवं उक्त सत्यापन की यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे श्रमिकों को औपचारिक मान्यता मिलती है और एक ऐसा रास्ता तैयार होता है जिसके माध्यम से वे सकारात्मक कल्याणकारी व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, इससे कार्याव्ययन एजेंसियों को उनकी ज़रूरतों को समझने और पेशेगत सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, प्रशिक्षण एवं आजीविका के मामले में उचित कदम उठाने में मदद मिलती है। संस्थागत तैयारी भी उसी ही महत्वपूर्ण है। बड़ी नगर पालिकाओं और जिलों में स्थापित स्वच्छता से संबंधित आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाइयों (ईआरएसयू) को 750 से अधिक सुरक्षा उपकरण भेजे गए हैं। ये इकाइयां आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करती हैं और सीवर सैप्टिक-टैंक की सफाई के काम को सुरक्षित एवं मशीनों के जरिए करने में मदद करती हैं। जागरूकता और व्यवहारगत बदलाव भी एक अहम पहलू है। देश भर में सीवर और सैप्टिक टैंक की जोखिम भरी सफाई को रोकने हेतु 1,600 से अधिक कार्यालयां आयोजित की गई हैं। इन कार्यालयों में, सफाई के असुरक्षित तरीकों से जुड़े खतरों के बारे में बताने और मशीनों से सुरक्षित सफाई के महत्व पर जोर देने के उद्देश्य से कर्मचारियों, अधिकारियों तथा निम्न हितधारकों को एकजुट किया गया है। स्वच्छता संबंधी कार्यों के रूपांतरण में मशीनीकरण की अहम भूमिका है। जब तकनीक से इन कार्यों को सुरक्षित रूप से किया जा सकता है, तो किसी भी कर्मचारी को सीवर या सैप्टिक टैंक में स्वयं उतरने की जरूरत क्यों हो। इसलिए, केन्द्र सरकार सफाई कर्मचारियों को सफाई से जुड़ी मशीनों एवं वाहनों का मालिक तथा संचालक बनने में मदद करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। लगभग 1,000 सफाई कर्मचारियों को 370 से अधिक सफाई के वाहन खरीदने हेतु लगभग 35 करोड़ रुपये की अग्रिम पूंजीगत सस्मिडी जारी की गई है। यह सहायता महज उपकरण प्रदान करने से नहीं बढकर है। यह कर्मचारियों को जोखिम भरे काम से हटाकर मशीनीकृत सफाई सेवाओं, उद्यमिता और टिकाऊ आय अर्जन करने की दिशा में बढ़ने में मदद कर रही है।

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026

सुश्री रूप राशि और डॉ. नितेश धवन

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं—जो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से



जुड़ा रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में आगे नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना सकते हैं। ये कम संसाधनों पर उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम है। खादी-हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ भारतीय की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दशतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को, धीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्तर मान्यता मिल रही है। हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालीया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कोटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के पुण्यों से जोड़कर किया जाता है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयाँ समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने 'जबनसमूह द्वारा उत्पादित' खादी का उपयोग महानाथा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत होने के विशेष गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशेष पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामाजिक उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा-स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की - बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट-स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी पारिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है। 21वीं सदी में, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए खादी-से प्रेरणा लेते हुए कृषि, फ़ैब्र और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहा है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रणालि प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। विवरित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहायता प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के जरिए क्षमता वृद्धि की जा रही है। देश की दो-तिहाई ग्रामीण आबादी को देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण खेपियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (समानात्मक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा



अप्रैल 2025 से कटाई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसरकार्यों में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा आर्थिक रूप से सतृप्त बनाने पर दिए जा रहे जोर को और अधिक प्रदर्शित करते समय के साथ, विशेष रूप से पिछले एक दशक के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग (सीआई) पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार वृद्धि किए जाने के कारण कुल उत्पादन लगभग 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि विक्री लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। आगे बढ़ते आगे आगमनायक वस्त्र के रूप में पहचाना जाने वाला खादी अब नई श्रेणियों और फैशन स्टेटमेंट का रूप ले रहा है। इसका परिवर्तन खादी डेनिम, डिजाइनर साइजिंग और ब्रांडेड वियर, आधुनिक शर्ट और ट्राउजर्स और रेमंड तथा पीटर डुल्लेंड जैसी मुख्यधारा की ब्रांडों के संग्रहों के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। एमएसएमई मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी (निप्ट, दिनेश) ने परिधानों की विभिन्न श्रेणियों, प्रिंट, बुनाई, कढ़ाई और पेंटिंग से युक्त घरेलू उत्पादों के संग्रह तथा साइडी डिजाइनों सहित 2,129 खादी डिजाइन संग्रह विकसित किए हैं जो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी नॉलेज पोर्टल के माध्यम से खादी संस्थानों/इच्छुक उद्यमियों को सक्षम बनाने का कार्य जारी रखा है। शिशु परिधानों के क्षेत्र में हमारा प्रवेश इस तथ्य से प्रेरित है कि वैश्विक शिशु और बच्चों के कपड़ों का सेगमेंट बाजार के साल 2030 तक 60 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है (सीएजीआर 588.1 प्रतिशत के बीच), और इसमें जैविक कपास, हाइपोएलर्जिक कपड़ों तथा गैर-विषाक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। 21वीं सदी के भारत के लिए बांड की स्थिति को प्रतिबिंबित करने वाले नवयुग खादी डिजाइनों को प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में खादी नॉलेज पोर्टल के साथ लॉन्च किया गया। इनमें 710 नए उत्पाद शामिल हैं, जो समकालीन और नवोन्मेषी तरीके से नए भारत की नई खादी को प्रस्तुत करती हैं। सभी आयु वर्गों के लोगों, जैन जी से लेकर दिल से युवा लोगों तक, को आकर्षित करने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेलनेस/योग विचार का संग्रह 'स्वधा' भी लॉन्च किया गया है। खादी में रोजगार सृजन के लिए बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे केवीआई संस्थानों/इकाइयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार विनियम सहायता, कार्यालीन पूंजी की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण कच्चे सामग्री सहायता, प्रशिक्षण, टूल-किट, मजदूरी क्षतिपूर्ति, विपणन सहायता, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है। अहमदाबाद स्थित ईडीआइआई द्वारा किए गए मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2026 में प्रस्तुत की गई, सभी योएनआई में तहत 75 प्रतिशत से अधिक कारीगरों ने हस्तक्षेप के बाद अपनी आय में मापनीय वृद्धि बताई और उन कारीगरों के लिए वर्षभर का स्थायी रोजगार सृजित हुआ, जो पहले मौसमी या प्रवासी श्रम पर निर्भर थे। इससे वास्तव में श्रमिकों के पलायन को कम करने में मददवायी मिली। साध प्रसंस्करण, अगरवती और हनी मिशन के तहत प्रशिक्षित कारीगरों द्वारा तेल, सुगंधित मोगबत्तियों या मूल्यांकित शब्द उत्पादों जैसे नए उत्पादों की श्रेणियों में विविधता लेकर आए हैं। इस विविधीकरण से स्थानीय बाजार में होने वाले उत्थार-चढ़ाव के प्रति वे अधिक सुदृढ़ हुए हैं। खादी महिला सशक्तीकरण की दिशा में सीधे योगदान देती है और इस प्रकार समावेशी विकास के उद्देश्य से अनुरूप है। लगभग पांच लाख खादी कारीगरों में से करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। अध्ययन के अनुसार, जीवीवाई योजनाओं में महिलाओं

की भागीदारी अधिक पाई गई, विशेष रूप से अणुबत्ती, हस्तनिर्मित कागज, हनी मिशन और सेवा उद्योग क्षेत्रों में। इसलिए, इस क्षेत्र में किसी भी रूप में बढ़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने उनके लिए सीधा पारिश्रमिक सुनिश्चित किया है, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और अपने घरों के भीतर तथा बाहर बढ़े हुए आत्मसम्मान के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं को उत्पादक आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाना, खादी सीधे एसडीजी 5 (स्त्री-पुरुष समानता) में योगदान देती है और साथी-पुरुष एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के तहत सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी सहायता करती है। हस्तनिर्मित उद्योग की वैश्विक मांग बढ़ रही है और इसमें निर्यात की अपार संभावनाएं हैं, जिनका दोहन किया जाना आवश्यक है। पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पादों की विशाल मात्रा और विविधता के साथ भारत विश्व में एक अपरिहार्य स्थान रखता है। वैश्विक हथकरघा उत्पादन का 85 प्रतिशत भारत में होता है और इस 'अतिरिक्त मूल्य' का लाभ उनकर 'अधिक प्रतिष्ठा' प्राप्त किया जा सकता है। श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे अन्य हथकरघा देश बहुत सीमित श्रेणी के उत्पादों का निर्माण करते हैं, लेकिन ये मुख्य रूप से घरेलू उत्पादन के लिए होते हैं। भारत में अपनी जनसांख्यिकीय बढ़त और विविध सांस्कृतिक विरासत के आधार पर खादी और हथकरघा उत्पादों की वैश्विक मांग को पूरा करने की अपार क्षमता है। दुनिया भर के उपभोक्ता हस्तनिर्मित, स्रोत का पता लगाने योग्य, प्राकृतिक और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार उत्पादों में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। यह खादी और हस्तनिर्मित उत्पादों को केवल पारंपरिक वस्तुओं के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रीमियम उत्पादों के रूप में पुनर्स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जो प्रामाणिकता, शिल्प कौशल की समृद्ध विरासत और सततता को दर्शाते हैं। विदेश मंत्रालय के अंतर्गत अमेरिकी के न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास के ट्रेड पोर्टल पर केवीआईसी ने ईपीसी के रूप में पंजीकरण कराया है। केवीआईसी ने प्रगतिशील खादी संस्थानों को ईएसएसआईएम (एक्सएम) लाइसेंस के साथ पंजीकृत कराने की प्रक्रिया शुरू की है और अपनी क्षमताओं से परिचित कराने के लिए भारत स्थित वाणिज्य दूतावासों के साथ भी संपर्क स्थापित किया है, जिससे संपर्क सेतु बनाने में सहायता मिलेगी। जहाँ एक ओर, खादी की अपनी पहचान है, वहीं हमारे उत्पादकों और मूल्य श्रृंखलाओं के संरक्षण के लिए अन्य देशों में ट्रेडमार्क पंजीकृत कर ब्रांड को सुरक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा, विशिष्ट ब्रांडिंग और भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग के तहत हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोजन (केवीआईसी) को पॉड्यूर खादी के लिए जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिससे विशिष्ट कापास तथा समान रूप से विशिष्ट प्रक्रिया से काटे और बुने गए उत्पादों के लिए मूल्य प्राप्ति में वृद्धि होगी। इस वर्ष आगरा में आयोजित प्रथम ब्रिक्स एमएसएमई फोरम में जीआई-टैग प्राप्त मूल्य खादी, भारत कस्टूरी कॉटन, बंगाल मलमल और प्राकृतिक रंग वाले कापास उत्पादों सहित विशिष्ट और प्रीमियम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। हमें नई पीढ़ी के जेन जी ग्राहकों को आकर्षित करने, उन्हें बनाए रखने तथा ऐसे विशिष्ट उत्पादों से अधिक मूल्य प्राप्त करने के लिए अपने उत्पादों में गुणवत्ता और आश्वासन सुनिश्चित करना होगा। इसी दिशा में, विभाग के केंद्रीय स्लाइडर संयंत्र (सीएसपी), जो लगभग साढ़े तीन दशक पहले स्थापित किए गए थे, का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में संचालित पांच सीएसपी में से कर्नाटक के चित्रदुर्ग और केरल के कुड्डुर स्थित संयंत्रों का आधुनिकीकरण पूरा हो चुका है और वे संचालन में हैं। कर्नाटक स्थित स्लाइडर संयंत्र अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करता है, जबकि उत्पादन को पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए पवन ऊर्जा के उपयोग की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। यह दृष्टिकोण एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और अवसरचना) के अनुकूल है, क्योंकि इसके माध्यम से पारंपरिक उद्यमों को डिजिटल, प्रोद्योगिकी, आधुनिक बाजारों और विकसित होती आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ा जा

का है। खादी संस्थानों की उत्पादन अवसरचरना के प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा प्रौद्योगिकी का प्रसारित साझा सुविधा केन्द्रों (सीएफ़सी) की अद्यतन ग्रामोद्योग समूहों को साझा अवसरचरना और आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं के माध्यम से सुदृढ़ करने के लिए किया गया है। केवीआईसी मूल्य श्रृंखलाओं में ट्रेसिबिलिटी समाधान सक्षम करने रहा है, जिससे परंपरा के साथ आईसी के एकीकरण में सहायता मिलेगी और उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र की ओर नई पीढ़ी की रुचि भी आकर्षित होगी। अंततः, लेकिन महत्वपूर्ण रूप से, कुटीर उद्योग अपनी ऊर्जा दक्षता तथा जल दक्षता के चलते और प्राकृतिक रेशों/रंगों का उपयोग करने की वजह से प्रकृति से ही पर्यावरण के अनुकूल है। खादी एक पर्यावरण अनुकूल वस्त्र है, जिसका कार्बन फुटप्रिंट बहुत कम है और जो पर्यावरण की दृष्टि से सतत है। इसका मानव अणुणी संस्थानों (आईआईआईआईआईएम) द्वारा किया जा रहा है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद तथा ब्रांड प्रचार संबंधी संदेश में इन पहलुओं को उचित रूप से शामिल किया जा सके। हाल के समय में विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का ध्यान अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ ऐसी पहलों की ओर केंद्रित हुआ है, जिनके माध्यम से आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों वाले विकास को भी सुनिश्चित किया जा सके। पर्यावरण संबंधी गंभीर चिंताओं, बढ़ती असमानताओं, भूख और रोगों तथा संसाधनों के असमान वितरण के मद्देनजर भौतिक विस्तार के नैतिक पहलुओं ने नीति निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया है। वर्ष 2015 में विश्व के देशों द्वारा अपनाए गए सतत विकास के 17 लक्ष्यों वाले 2030 एजेंडा में गरीबी उन्मूलन, पर्यावरणीय संसाधनों के समावेकपूर्ण उपयोग और वितरणत्मक विकास किये गए। पर्यावरण के विकास के लिए कार्बाई की दिशा रेखांकित की गई है। केवीआईसी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईआईसीआईसी) के सहयोग से प्राकृतिक रंग वाले कपास की किस्मों के विकास के उद्देश्य से पहलों की सक्रिय रूप से संभावनाएं तलाश रहा है। यह दृष्टिकोण पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों के अनुरूप है, क्योंकि इससे पारंपरिक रंगाई प्रक्रियाओं में होने वाले जल के खपत को, रासायनिक प्रदूषण और ऊर्जा की उपयोगिता कम किया जा सकता है। इसलिए, इस क्षेत्र को बढ़ावा देना उचित होगा, क्योंकि इसमें सतत आजीविका के समाधान उपलब्ध कराने की क्षमता है। ऐसे समय में, जब फैशन उद्योग पर अपशिष्ट, प्रदूषण और अत्यधिक संसाधन खपत की समस्या से निपटने का दबाव बढ़ रहा है, खादी एक वैकल्पिक दर्शन प्रस्तुत करती है—सोच-समझकर उत्पादन करना, जिम्मेदारी से उपयोग करना और प्रत्येक उत्पाद के पीछे की कोशिश को महत्व देना। वास्तव में, कोई भी ऐसा रेशा या फ्लामेंट, जिसे उसकी प्रकृति (जैसे प्लास्टिक रैपर) और/या लंबाई (जैसे लंबी कपास) के कारण मशीनी कटाई उद्योग द्वारा सूत में परिवर्तित नहीं किया जा सकता, उसे हाथ के चरखे के माध्यम से सूत में बदला जा सकता है और इस प्रकार 'लूप में' तथा 'लूप से बाहर' रिसाइक्लिंग और अपसंश्लिष्टता को सक्षम बनाया जा सकता है। इससे हाथ से कटाई में रोजगार की अतिरिक्त श्रेणियों में भी रोजगारदान किया जा सकता है। यह खादी को सीधे एआईजी 12 (जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन) और एआईजी 13 (जलवायु कार्रवाई) से जोड़ता है। जिम्मेदार कपास की खेती सदैव सतत कृषि पद्धतियां अधिक सतत ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर एआईजी 2 (शुल्क भूखंड) और एआईजी 15 (भूमि पर जीवन) में इसके योगदान को और मजबूत कर सकती हैं। इन संभावनाओं के साथ, निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन से मानव समाज के लिए श्रृंखलाएं और अधिक मजबूत, गहरी और व्यापक होती रहेंगी व्यापक संदेश बिल्कुल सीधा सा है; सततता हमेशा केवल नवीनतम प्रौद्योगिकी से ही नहीं आती। कभी-कभी यह उन प्रथाओं से भी उभर सकती है, जिन्हें समुदायों ने सदियों से संरक्षित रखा है और जिन्हें आधुनिक समाज अब फिर से खोज रहा है। खादी बिल्कुल ऐसी ही एक संभावना का प्रतिनिधित्व करती है। यह विरासत को नवाचार के साथ, रोजगार को उद्यमिता के साथ, महिला सशक्तीकरण को सामाजिक समावेशन के साथ तथा आर्थिक गतिविधि को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ती है। केवीआईसी में हम उस जादू को खोजने, उसके रहस्यों को उजागर करने, उसे फिर से स्थापित और सुदृढ़ करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे कटाई-बुनाई करने वाले हमारे धागों के कलाकार पर्यावरण के प्रति जागरूक दुनिया के लिए बुन रहे हैं।

(सुश्री रूप राशि, केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं और डॉ. नितेश धवन, केवीआईसी, मुंबई के उप मुख्य कार्यकारी

दिया है। लखनपुर में बनने वाले इस मल्टी-परपस इनडोर हॉल में वॉलीबॉल, हैंडबॉल बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी और मार्शल आर्ट जैसे खेलों की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके निर्माण से अंचल के खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रशिक्षण के लिए सर्वसुविधायक अधोसंरचना मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

एम्पीयर ने जगदलपुर में नए एक्सपीरियंस सेंटर के साथ अपनी रिटेल मौजूदगी बढ़ाई

जगदलपुर। एम्पीयर ने आज जगदलपुर में अपनी रिटेल और सर्विस मौजूदगी को मजबूत बनाते हुए सिरसार चौक पावर हाउस रोड पर अपने नए स्टोर लक्ष्मी ट्रेड्स का उद्घाटन किया। एम्पीयर का नया एक्सपीरियंस सेंटर ग्राहकों को एक ही छत के नीचे सेल्स और सर्विस का संपूर्ण अनुभव प्रदान करेगा, तथा क्षेत्र के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को और अधिक आसान एवं सुविधाजनक बनाएगा। नया एक्सपीरियंस सेंटर एम्पीयर के इलेक्ट्रिक स्कूटर पोर्टफोलियो का प्रदर्शन करेगा, जिसे मोबिलिटी की विभिन्न जरूरतों और विभिन्न प्रकार ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। इस पोर्टफोलियो में सबसे खास हैं 5 किलोवॉट की नई दमदार मोटर वाला एम्पीयर नेक्सस ईएक्स+,जिसने भारत के सबसे मुश्किल रास्तों पर अपनी परफॉर्मेंस से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं। परिवारों और मूल्य के प्रति सजग ग्राहकों के लिए पेश किया गया मैग्नस जीमैक्स रोज़मर्रा की ज़रूरतों, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी और किफ़ायती दाम का बेहतरीन संयोजन है। वहीं मैग्नस नियो को रोज़मर्रा की राइड को आरामदायक बनाने के लिए और लुक को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा युवा राइडरों, खासतौर पर स्कूल-कॉलेज छात्रों के लिए हाल ही में लॉन्च हुआ एम्पीयर रियो वाइब भी पोर्टफोलियो में शामिल किया गया है। एम्पीयर नेक्सस ईएक्स+ और मैग्नस जीमैक्स ऐसे वैरिएंट्स में भी उपलब्ध हैं जिनमें इंटेलिपैक से पावरड 30 से ज़्यादा इंटेलिजेंट फ़ीचर्स हैं। ये फ़ीचर्स राइडरों को कनेक्टेड और स्मार्ट टेक्नोलॉजी का अनुभव प्रदान करते हैं। इस पोर्टफ़ोलियो में नेक्स्ट-जेनरेशन एलएफ़एमि बैटरी टेक्नोलॉजी और 5 साल/75,000 किलोमीटर तक की स्टैंडर्ड बैटरी वारंटी मिलती है, जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को भरोसेमंद और आसान बनाने की एम्पीयर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन सेवा दे रहीं शक्ति स्वरूपा

ई-रिक्शा के पहियों से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही कालीपुर की 20 वर्षीय दीपाली मानिकपुरी

जगदलपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर जहां एक ओर पूरा देश मां दुर्गा की नौ शक्तियों की आराधना में लीन है, वहीं कालीपुर की सड़कों पर नारी शक्ति का एक जीवंत और प्रेरक स्वरूप हर दिन देखने को मिल रहा है। कालीपुर की रहने वाली 20 वर्षीय दीपाली मानिकपुरी ने परंपरागत बढ़ियों और सामाजिक दायरों को तोड़ते हुए स्वावलंबन का ऐसा रास्ता चुना है, जो हर किसी के लिए प्रेरणा बन गया है।

तीन बहनों में सबसे बड़ी दीपाली ने परिवार की परिस्थितियों और जिम्मेदारियों को बहुत कम उम्र में ही समझ लिया था। दसवीं तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उन्हें आगे की राह तय करनी थी, तो उन्होंने घर बैठने के बजाय अपने पिता के कंधों का बोझ हल्का करने की ठानी। उनके पिता पेशे से एक कार चालक हैं, और परिवार का आर्थिक संबल देने के लिए दीपाली ने खुद आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया। इसी इरादे के साथ उन्होंने इलेक्ट्रिक रिक्शा का हंडल थामा और सड़कों पर उतर पड़ीं।

जिस शहर और समाज में ऑटो व ई-रिक्शा की झड़विंग सीट पर सिर्फ पुरुषों का दबदबा देखा जाता रहा हो, जहां किसी महिला को व्यावसायिक वाहन चलाते देखना आज भी लोगों को अचरज में डाल देता है, वहां दीपाली का यह कदम बेहद साहसिक है। सुबह छह बजे जब शहर की सड़कों पर चहल-पहल शुरू हो जाती है, दीपाली का ई-रिक्शा रफ़्तार पकड़ लेता है और रात के नौ बजे तक वे बिना थके, पूरी मुस्ती के साथ यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाती हैं। पंद्रह घंटे के इस लंबे और व्यस्त समय के बावजूद उनके चेहरे पर न तो कोई थकान दिखती है और न ही किसी तरह की झड़क।

सवारी चाहे पुरुष हो या महिला, हर कोई दीपाली के आत्मविश्वास और शालीनता को देखकर सम्मान से भर जाता है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर, जहां शक्ति की उपासना की जाती है, दीपाली मानिकपुरी का यह संघर्ष और हौसला यह साबित करता है कि नारी शक्ति केवल महिलाओं में ही नहीं, बल्कि हर उम्र की महिला में है, बल्कि वह कर्मक्षेत्र में हर उस बेटे के भीतर जागृत है जो अपनी मेहनत से समाज की सोच को बदल रही है।

गरियाबंद नगरपालिका में गंदगी और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल, 20 सूत्रीय मांगों को लेकर घेराव

नगरीय प्रशासन मंत्री का पुतला दहन कर जताया विरोध, बैरिकेडिंग के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झूमाझटकी; मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। शहर की बदहाल सफ़ाई व्यवस्था, कथित भ्रष्टाचार, निर्माण कार्यों में अनियमितताओं और विकास कार्यों की सुस्ती को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 20 सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर नगरपालिका कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के साथ नगरपालिका प्रशासन ने चेतावनी दी कि मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जिला कांग्रेस कार्यालय से आंदोलन का आगाज, नगरपालिका के कामकाज पर उठाए सवाल- नगरपालिका घेराव से पहले जिला कांग्रेस कार्यालय में सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने शहर की सफ़ाई व्यवस्था और नगरपालिका के कामकाज पर



सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि गरियाबंद शहर गंदगी और अव्यवस्थाओं से जूझ रहा है तथा कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कारण आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बेसरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले भी विभिन्न माध्यमों से नगरपालिका प्रशासन का ध्यान शहर की समस्याओं की ओर आकर्षित कर चुकी है, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण पार्टी को जनता के हित में सक्रम पर उतरना पड़ा। उन्होंने सफ़ाई व्यवस्था दुरुस्त करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि वर्तमान आंदोलन के बाद भी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस आगे उग्र आंदोलन करेगी।

तिरंगा चौक से बस स्टैंड तक गुंजे नारे, बैरिकेडिंग पर बढ़ा तनाव- सभा समाप्त होने के बाद कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता पैदल रैली के रूप में नगरपालिका कार्यालय की ओर रवाना हुए। रैली तिरंगा चौक और बस स्टैंड से



स्वीकृत कार्यों को शुरू कराने की मांग की गई। कांग्रेस ने शहर में कथित अवैध प्लांटिंग पर रोक लगाने, नगर की नालियों की नियमित सफ़ाई कराने और नगरपालिका क्षेत्र में कराए गए निर्माण कार्यों की जांच कराने की मांग भी रखी। पार्टी का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर खर्च होने वाली सार्वजनिक राशि का सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच और प्रशासनिक पारदर्शिता जरूरी है।

सफ़ाई व्यवस्था सुधारने और लंबित विकास कार्य शुरू कराने की मांग- जिला कांग्रेस कमेटी ने नगरपालिका क्षेत्र में सफ़ाई व्यवस्था बेहतर बनाने, तालाबों के विकास कार्यों को गति देने, अवैध प्लांटिंग पर नियंत्रण लगाने और निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कांग्रेस ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है और समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जाना चाहिए।

अतरमरा पंचायत में 15वें वित्त की राशि पर उठे सवाल, EOW में शिकायत से मचा हड़कंप!

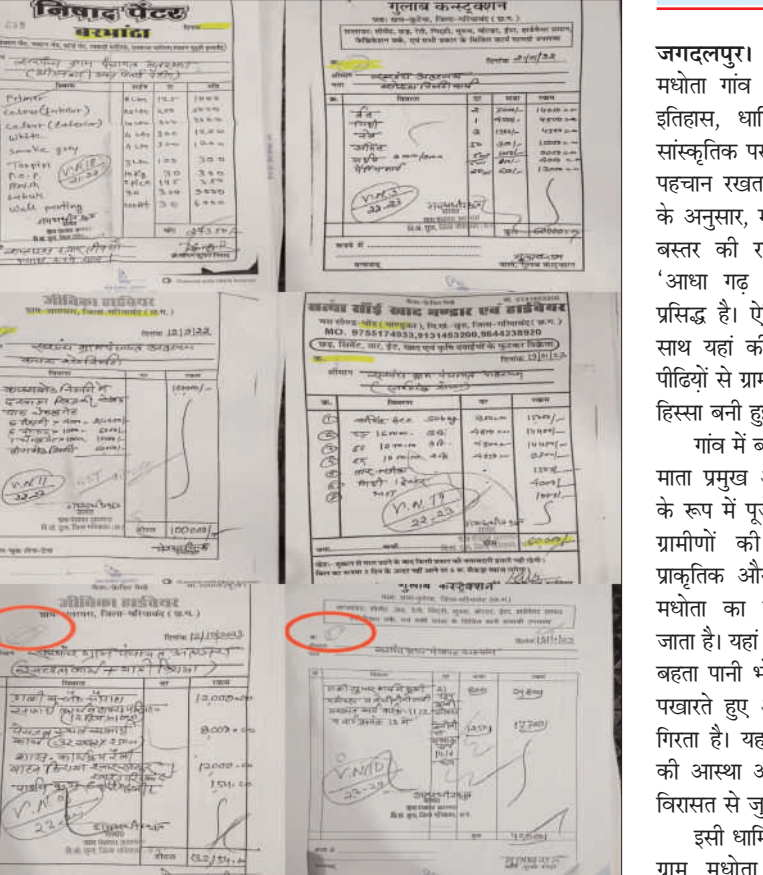
तत्कालीन पंचायत सचिव के कार्यकाल की जांच की मांग, बिल-वाउचर से लेकर बैंक भुगतान तक की पड़ताल की उठी आवाज

बिलों की प्रमाणिकता, त्रुटि विवरण और भुगतान की वास्तविकता की जांच कराने की मांग – खिलेश्वर गोस्वामी ने EOW के महानिदेशक को सौंपा शिकायत पत्र

गरियाबंद/छुरा (विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत अतरमरा में 15वें वित्त आयोग की राशि से कराए गए कार्यों और भुगतान संबंधी अभिलेखों को लेकर अब जांच की मांग तेज हो गई है। वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच हुए व्यय पर सवाल उठाते हुए भाजपा आरटीआई प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं दुर्ग संभागीय प्रभारी खिलेश्वर गोस्वामी ने आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW), छत्तीसगढ़ शासन के महानिदेशक को लिखित शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत में तत्कालीन पंचायत सचिव चेतन सोनकर के कार्यकाल में प्रस्तुत बिल-वाउचर, सामग्री खरीदी और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच कराने का अनुरोध किया गया है।

RTI से मिले दस्तावेजों के आधार पर उठे सवाल- खिलेश्वर गोस्वामी के अनुसार, सूचना के अधिकांश अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों के परीक्षण के दौरान कुछ बिलों में बिल क्रमांक और जारी करने की तारीख दर्ज नहीं होने, कुछ बिलों में तस्ख नंबर उपलब्ध नहीं होने तथा अलग-अलग दुकानदारों और फर्मों के नाम से प्रस्तुत बिलों की हस्तलिपि एक जैसी होने की आशंका जैसे बिंदु सामने आए हैं। इन तथ्यों के आधार पर उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की प्रामाणिकता और भुगतान की वास्तविकता की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल दस्तावेजों में कमीय मिलने से किसी बिल को फर्मा घोषित नहीं किया जा सकता। इसलिए यह जांच जरूरी है कि संबंधित बिल वास्तव में दुकानदारों या आपूर्तिकर्ताओं ने जारी किए थे या नहीं, सामग्री की खरीदी और आपूर्ति वास्तविक रूप से हुई थी या नहीं तथा भुगतान सही



व्यक्ति अथवा फर्म को किया गया था या नहीं।

मूल अभिलेखों से लेकर विकास कार्यों के भौतिक सत्यापन तक की मांग- शिकायत में EOW से पंचायत के मूल बिल-वाउचर, कैशबुक, लेजर, बैंक स्टेटमेंट, चेक एवं ई-पेमेंट विवरण, पंचायत प्रस्ताव, कार्यदिश, तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृतियों और माप पुस्तिका की जांच कराने का अनुरोध किया गया है।

इसके साथ ही अभिलेखों में दर्ज विकास कार्यों का मौके पर भौतिक सत्यापन कराने, खरीदी गई सामग्री की मात्रा और उसके वास्तविक उपयोग का मिलान करने तथा संबंधित दुकानदारों, आपूर्तिकर्ताओं, भुगतान प्राप्तकर्ताओं और पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के बयान दर्ज करने की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता ने सदिध बिलों की आवश्यकता के अनुसार हस्तलेखन विशेषज्ञ से जांच कराने तथा जांच पूरी होने तक मूल अभिलेखों को सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया है, ताकि दस्तावेजों में किसी प्रकार की छेड़छाड़ की आशंका को दूर किया जा सके।

साक्ष्य मिलने पर FIR और राशि की वसूली की मांग- खिलेश्वर गोस्वामी ने मांग की है कि जांच के दौरान यदि फर्मा बिल-वाउचर तैयार करने, कूटरचित

रियासतकालीन इतिहास और आस्था की पहचान है मधोता दुर्गात्सव



जगदलपुर। बस्तर अंचल का मधोता गांव अपने रियासतकालीन इतिहास, धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, मधोता रियासतकाल में बस्तर की राजधानी रहा है और 'आधा गढ़ मधोता' के नाम से प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक विरासत के साथ यहां की धार्मिक आस्था भी पीढ़ियों से ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा बनी हुई है।

गांव में बाबा भैरम और तपेश्वरी माता प्रमुख आराध्य देवी-देवताओं के रूप में पूजे जाते हैं। इनके प्रति ग्रामीणों की गहरी आस्था है। प्राकृतिक और धार्मिक दृष्टि से भी मधोता का विशेष महत्व बताया जाता है। यहां कुंड से निकलने वाला बहता पानी भोलेनाथ के चरणों को पखारते हुए आगे मार्कंडेय नदी में गिरता है। यह स्थल स्थानीय लोगों की आस्था और क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है।

इसी धार्मिक वातावरण के बीच ग्राम मधोता के दुर्गा चौक में सार्वजनिक दुर्गात्सव समिति द्वारा

शारदीय नवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। यहां मां दुर्गा की स्थापना एवं आराधना का यह 16वां वर्ष है। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालु माता रानी की पूजा-अर्चना कर गांव, परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति भी क्षेत्रवासियों की अटूट आस्था है।

समिति के पदाधिकारी संभाल रहे जिम्मेदारी- सार्वजनिक दुर्गात्सव समिति के संरक्षक जगन्नाथ ठाकुर एवं लक्ष्मीनाथ मांझी हैं। अध्यक्ष खेत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष भकचंद नाग एवं जयदेव यादव, सचिव गुड्डु नाग,

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, संभाग-महासमुन्द (छ.ग.) निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)		
क्रमांक - 4612/एन.आई.टी. क्र.-3/2026-27/व.ले.लौ.		महासमुन्द दिनांक 09/10/2026
1 निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 21/10/2026 अपराह्न 5.30 बजे तक 2 ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 29/10/2026 अपराह्न 5.30 बजे तक 3 निविदा खोलने की तिथि :- 30/10/2026 पूर्वाह्न 11.30 बजे तक		
एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का विवरण / No. of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु. में) बैंक सालवैसी (रु. में)
3 T0084	जिला महासमुन्द के बसना में पशु चिकित्सालय अस्पताल भवन का मरम्मत कार्य।	8.57 65000 129000.00
टीप :- (1) उक्त निविदा में निविदा प्रपत्र Form-A में तथा निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रु. 750/- है। (2) उक्त निविदा में निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत 'द' से 'अ' तक है। (3) उक्त निविदा में कार्य की अवधि 02 माह निर्धारित है।		
निविदा संबंधी शर्तें एवं विशेष शर्तें विभागीय वेबसाइट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।		
कार्यपालन अभियंता लोक, निर्माण विभाग (भ.स.) महासमुन्द (छ.ग.)		
जी- 262703909/2		

कार्टून समाज को जागरूक करने का काम करता है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

हीरापुर छठ तालाब में सफाई अभियान का जोन कमिश्नर ने किया निरीक्षण

■ गंभीर विषयों को सहजता से जनमानस तक पहुंचाने की कार्टून में है अद्भुत क्षमता : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। कार्टून केवल हास्य और मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज का सशक्त दर्पण है। यह गंभीर विषयों, सामाजिक परिस्थितियों और विसंगतियों को हास्य एवं व्यंग्य के माध्यम से सहजता से जनमानस तक पहुंचाने वाली प्रभावशाली रचनात्मक विधा है। कई बार जो बात हजारों शब्दों में कहना कठिन होता है, उसे एक प्रभावशाली कार्टून बड़ी सरलता और गहराई के साथ अभिव्यक्त कर देता है। कार्टून समाज को हंसाने के साथ सोचने, समझने और आत्ममंथन के लिए भी प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में कार्टून वॉच पत्रिका द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2026 को



संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कला और साहित्य किसी भी समाज की चेतना के वाहक होते हैं। कार्टून इस दृष्टि से विशिष्ट कला है, जिसमें चित्र, विचार, हास्य और व्यंग्य का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। एक कार्टूनिस्ट अपने सूक्ष्म अवलोकन और रचनात्मक दृष्टि से सामाजिक घटनाओं को ऐसा स्वरूप देता है, जो लंबे समय तक लोगों की स्मृति में बना रहता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्टून जनभावनाओं, जनअपेक्षाओं और सामाजिक सरोकारों को अभिव्यक्ति देने का भी सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने भारतीय कार्टून कला की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए महान कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण के योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आर.के. लक्ष्मण का प्रसिद्ध 'कॉमन मैन' केवल एक कार्टून चरित्र नहीं, बल्कि देश के सामान्य नागरिक की आशाओं, अपेक्षाओं,

जिज्ञासाओं और चिंताओं की पहचान बन गया। स्वतंत्रता के बाद बदलते भारत और उसकी सामाजिक परिस्थितियों को उन्होंने जिस प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय पत्रकारिता और कार्टून कला की अमूल्य विरासत है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्टून कला को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे दूरस्थ अंचलों को प्रतिभाओं को भी अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने और इस विधा से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कार्टून फेस्टिवल-2026 में जयपुर के प्रख्यात कार्टूनिस्ट श्री अभिषेक तिवारी को लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी कलाकार की दीर्घकालीन साधना और रचनात्मक योगदान का सम्मान पूरी कला विधा का सम्मान है और इससे नई पीढ़ी को उत्कृष्टता की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर आज नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 21 अंतर्गत हीरापुर क्षेत्र में स्थित छठ तालाब में चलाये जा रहे सफाई अभियान का वहां पहुंचकर जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप वर्मा और स्वच्छता निरीक्षक श्री रितेश झा और श्री राकेश बंजारे की उपस्थिति में प्रत्यक्ष निरीक्षण किया. नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग को हीरापुर छठ तालाब में गन्दगी और कचरा तत्काल होने से सम्बंधित जनशिकायतें प्राप्त हुई, इसको तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देश पर हीरापुर



छठ तालाब की टीम भेजकर सफाई अभियानपूर्वक नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा करवाई जा रही है. वहाँ गन्दगी और कचरा तत्काल उदवारकर और घास की कटाई करवाकर स्वच्छता कायम की गयी और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान

किया गया. नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर ने सफाई के निरीक्षण के दौरान छठ तालाब की छठ महापर्व के पूर्व व्यापक सफाई अभियानपूर्वक जोन के स्तर पर करवाने के निर्देश जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक को दिए।

विश्व मानक दिवस समारोह के तहत भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा ‘मानक महोत्सव’ आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। मानकों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 14 अक्टूबर को 'विश्व मानक दिवस' मनाया जाता है। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (भारत सरकार) के अधीन भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा देश में गुणवत्ता चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण की थीम पर विभिन्न जिलों में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में, विश्व मानक दिवस समारोह के तहत भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 14 अक्टूबर 2026 को रायपुर में 'मानक महोत्सव' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योगों, सराफा संगठनों, व्यापार संगठनों एवं मानक क्लबों से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों के 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के प्रभारी निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में सीपेट रायपुर के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. आलोक साहू, एमएसएमई रायपुर के संयुक्त निदेशक श्री लोकेश



परगनिया, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम रायपुर के मुख्य प्रबंधक श्री पवन जायसवाल, छत्तीसगढ़ स्टील री-रोलर निर्माता संघ (रायपुर) के अध्यक्ष श्री संजय त्रिपाठी और छत्तीसगढ़ ज्वैलर्स एसोसिएशन (रायपुर) के अध्यक्ष श्री कमल सोनी सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि डॉ. समीर बाजपेयी ने अपने संबोधन में दैनिक जीवन में मानकों के उपयोग और उनके महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मानक हमारे दैनिक जीवन को सुरक्षित, सरल, विश्वस्तरीय एवं सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खाद्य पदार्थों, विद्युत उपकरणों, निर्माण सामग्री, स्वास्थ्य सेवाओं तथा विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मानकों का विशेष योगदान है।

रायपुर CMHO कार्यालय में लाखों की वित्तीय अनियमितताओं का आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय रायपुर में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी संघ ने सवाल उठाए हैं। संगठन ने निजी दोषहिया बहनों में डीजल भुगतान, फेंडोकांपी के नाम पर लाखों रुपये के बिल और संविदा कर्मचारी को वेंडर बताकर उसके निजी बैंक खाते में शासकीय राशि का भुगतान किए जाने के आरोप लगाए हैं। संगठन का दावा है कि इन मामलों की दस्तावेजों के साथ शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने CMHO मिथिलेश चौधरी की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने सदृग्ध बिलों, भुगतान प्रक्रिया और बैंक लेन-देन का स्वतंत्र वित्तीय परीक्षण कराने के साथ ही CMHO के चार साल के कार्यकाल की समीक्षा करने की मांग उठाई है।



के अधिकार के तहत मांगी जाने वाली जानकारी उपलब्ध नहीं कराने का आरोप भी लगाया है। आलोक मिश्रा ने सवाल उठाया कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई है, तो संबंधित जानकारी देने में यह भी दावा किया गया है कि CMHO मिथिलेश चौधरी के राजनांदगांव में पदस्थ रहने के दौरान शासन को कथित तौर पर करोड़ों रुपये की क्षति पहुंचाने से संबंधित मामला राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में लंबित है। संगठन के अनुसार, RTI के तहत जानकारी मांगी जाने पर जांच जारी होने का हवाला दिया जा रहा है।

संघ ने रायपुर छरूाह कार्यालय में कथित वित्तीय अनियमितताओं की तत्काल राज्य स्तरीय जांच कराने, दोष सिद्ध होने पर जिम्मेदारों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए शासकीय राशि की वसूली करने और राजधानी में चार साल से पदस्थ CMHO मिथिलेश चौधरी का नियमानुसार स्थानांतरण करने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वह लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगा। संघ ने कहा कि मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। हालांकि, ये आरोप संगठन की ओर से जारी प्रेस नोट में लगाए गए हैं। इनकी स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

माँ बम्लेश्वरी डोंगरगढ़ पदयात्रियों की अपार भीड़

■ पदयात्रियों ने कहा शासकीय सेवा पंडाल में बहुत अच्छी व्यवस्था

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ जाने वाले दर्शनार्थियों/पद यात्रियों की सुविधा के लिये महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल के पास नगर निगम द्वारा सेवा पंडाल लगाया गया है। सेवा पंडाल में माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिये डोंगरगढ़ जाने वाले पदयात्री बड़ी संख्या में पहुँच सेवा का लाभ ले रहे हैं। पण्डाल में निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम सहित निगम के अधिकारी कर्मचारी एवं ठेकेदार पदयात्रियों की सेवा कर रहे हैं। सेवा पाकर पदयात्री मिल रही सुविधा से खुश होकर सराहना कर रहे हैं। दूर दराज से माँ बम्लेश्वरी मंदिर



में दर्शन के लिये पहुँचने वाले पदयात्री सेवा पण्डाल की व्यवस्था का लाभ लेकर सराहना करते हुये अपनी राय दे रहे है कि शासकीय पण्डाल में 24 घण्टे खाने पीने की व्यवस्था के साथ साथ चिकित्सीय सेवा का भी लाभ मिल रहा है, यह बहुत अच्छा और सराहनीय कार्य है, क्योंकि निजी सेवा पण्डालों में विभिन्न समाजिक संस्था के लोग सेवा करते है, किन्तु शासकीय कार्यों के साथ साथ 9 दिन अधिकारी कर्मचारी समय निकालकर पदयात्रियों की सेवा करना बहुत

बड़ी बात है। सेवा पण्डाल के संबंध में निगम आयुक्त श्री मरकाम ने बताया कि शारदीय नवरात्रि में माँ बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिये प्रदेश भर से लाखों की तादात में दर्शनार्थी डोंगरगढ़ जाते हैं, जिनमें हजारों दर्शनार्थी पद यात्रा करते हैं, जो आस पास के शहर के अलावा दूर दराज के शहरों से भी आते हैं। उन्होंने कहा कि पदयात्रियों की सुविधा के लिये महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल के पास नगर निगम द्वार सेवा पंडाल लगाया गया है।

भाजपा सरकार में नशे का कारोबार फल-फूल रहा : विकास उपाध्याय

■ छत्तीसगढ़ को नशे का गढ़ बनने से रोकने में सरकार नाकाम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में बढ़ते नशे के कारोबार को लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार नशे का कारोबार बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आखिर छत्तीसगढ़ में नशे का सामान कहाँ से आ रहा है और किन रास्तों से प्रदेश में पहुँच रहा है? उन्होंने कहा कि चारों तरफ भाजपा शासित राज्यों की सीमाएं होने के बावजूद छत्तीसगढ़ में नशे का कारोबार कैसे फल-फूल रहा है? सरकार अब अधिकारियों की टास्क फेर्स बनाकर छत्तीसगढ़ को नशामुक्त करने की बात कह रही है, लेकिन सवाल यह है कि अब तक नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई?



विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के संरक्षण में नशे का कारोबार चलने की शिकायतों की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार नशामुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की बात करती है, तो फिर प्रदेश में नशे का कारोबार लगातार चर्चा में क्यों है? छत्तीसगढ़ के युवाओं को नशे से बचाने के लिए सरकार को जवाब देना होगा।

रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट ने रायपुर में शुरू की समर्पित ‘ब्रेस्ट केयर क्लिनिक’

■ क्लिनिक में ब्रेस्ट सर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की विशेषज्ञ सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

रायपुर (विश्व परिवार)। महिलाओं को स्तन संबंधी बीमारियों के लिए समय पर जांच, व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप उपचार और बेहतर फॉलो-अप की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट ने रायपुर में समर्पित ‘ब्रेस्ट केयर क्लिनिक’ की शुरुआत की।



सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल डायरेक्टर – सर्जिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. रवि जायसवाल, सीनियर मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष – मेडिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. गौरव गुप्ता, सीनियर रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष – रेडिएशन ऑन्कोलॉजी; डॉ. नवीन जैन, सीनियर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट; डॉ. नीरू केरकेट्टु, सीनियर कंसल्टेंट – न्यूक्लियर मेडिसिन; डॉ. अक्केला फ़ोंद्र,

कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट; डॉ. हरिच धाकड़, कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट सहित अस्पताल के अन्य वरिष्ठ डॉक्टर एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

करने के उद्देश्य से रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा 1,499 रुपए का ब्रेस्ट हेल्थ स्क्रीनिंग पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पैकेज में क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन, सोनामैमोग्राफी तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ या कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श शामिल है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के लिए स्तन स्वास्थ्य संबंधी जांच को अधिक सुलभ बनाना और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जांच और इमेजिंग की आवश्यकता का निर्धारण महिला की उम्र, लक्षणों, व्यक्तिगत जोखिम और चिकित्सकीय स्थिति के आधार पर किया जाएगा।

संवादात्मक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा का विषय ‘ट्रिपल असेसमेंट ऑफ़ ब्रेस्ट लम्पस’ अर्थात स्तन में गांठ की तीन चरणों में समग्र जांच एवं निदान था। इसमें वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों और कैंसर विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा सटीक निदान और समय पर उपचार के लिए क्लिनिकल जांच, उपयुक्त ब्रेस्ट इमेजिंग और आवश्यकता पड़ने पर बायोप्सी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस पैनल चर्चा का संचालन रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट की ओर से डॉ. मौं राय, डॉ. गौरव गुप्ता और डॉ. रवि जायसवाल ने किया। इसमें रायपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख स्त्री रोग विशेषज्ञों और चिकित्सा विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में ब्रेस्ट कैंसर से उबर चुकी दो महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि समय पर बीमारी की पहचान, उचित उपचार, परिवार का सहयोग और उपचार के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है।

